# विशेष कविता (Special Hindi Poem)

Source: www.brahma-kumaris.com (Main Website) | www.bkgoogle.com (BK Google)

- **प्रीत बुद्धि की निशानी**

प्रीत बुद्धि बच्चे सदा अव्यक्त अलौकिक रहते ,
कमल पुष्प जैसे न्यारे और बाप के प्यारे रहते

समय विनाश का समझकर जोड़े बाप से प्रीत ,
पवित्र बनकर निभाते वे संगमयुग की यह रीत

बुद्धि की लगन रखते वे एक बाप से जोड़कर ,
वस्तु व्यक्ति वैभव से हर नाता रखते तोड़कर

उनकी दृष्टि से बाप ओझल कभी ना होते ,
प्रीत बुद्धि बच्चे बाप से विमुख कभी ना होते

स्मृति रखना मेरा तन एक पल में मिटने वाला ,
मेरा अन्तिम समय मुझे पूछकर ना आने वाला

यही स्मृति तुम्हें बाप की याद दिलाती जाएगी ,
किसी और की याद तुम्हें कभी नहीं सताएगी

प्रीत बुद्धि बनकर जो प्रीत की रीत निभाएंगे ,
सदा काल के लिए सारे संसार के सुख पाएंगे

ऐसे प्रीत बुद्धि बच्चों का बाप करते गुणगान ,
विश्व की बादशाही देकर करते उनका सम्मान
*ॐ शांति ।

by: BK Mukesh bhai - bkmukesh1973@gmail.com

For More Poems, visit – www.bkofficial.com/poems-hindi

**OR** scan this QR code with your phone camera ->